एक नजर में

नागदा पार्क बनाने के लिए प्रयास शुरू

नागदा। नगर में स्थित इमली बाग, जहां पिछले कुछ वर्षों से कचरा और निर्माण मलबे के ढेर का लगा रहते था, अब हरियाली की नई पहचान बनने की ओर बढ़ रहा है। नगरवासियों, वरिष्ठ समाजसेवियों एवं युवाओं की पहल पर यहां पार्क का विकसित करने का कार्य शुरू किया गया है। पिछले आठ दिनों से करीब एक से दो बीघा क्षेत्र में तार फेंसिंग कर पौधरोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में कानवन थाना प्रभारी रविंद्र कुमार बारिया ,प्रधान आरक्षक रामेंद्र सिंह चौहान , आरक्षक नवीन राठौड़, जनपद सदस्य राजेंद्र सिंह पटेल ओर नगरवासियों के साथ परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने, उसकी देखभाल करने की अपील की। नगरवासियों ने बताया कि विकसित होने के बाद इमली बाग हरियाली, रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक बनेगा। यह बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों के लिए सुबह-शाम सैर का बेहतर स्थान होगा।

तिरंगा यात्रा शक्ति केंद्र प्रभारियों को सौंपी जिम्मेदारी

सरदारपुर। भारतीय जनता पार्टी सरदारपुर मंडल द्वारा आगामी 14 अगस्त को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर आज शिव मंदिर प्रांगण में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में तिरंगा यात्रा को सफल एवं भव्य बनाने के लिए मंडल के सभी शक्ति केंद्रों के प्रभारियों की नियुक्ति कर उन्हें आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में कार्यकर्ताओं से तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर भाजपा एल्डरमेन श्री राजेंद्र जी गर्ग, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र जी मंडलोई, पूर्व मोर्चा अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र जी जाट, महामंत्री श्री नवीन गोयल, उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश पाटीदार एवं श्री सोहन साहू, मंत्री श्री चेतन जी वैष्णव एवं श्री छोटू जी यादव, कार्यालय मंत्री श्री रामेश्वर जी मारू, श्री बलराम जी मकवाना, ज्योति पंवार, श्री प्रेमनारायण जी पाटीदार, श्री राहुल पाटीदार, महेश राठौर, श्री लालचंद जी मारू, सरपंच श्री दिनेश अमलीयार, श्री सरदार डिंडोर, श्री दिनेश मावी, श्री भगवती यादव, श्री संजय जी जैन, श्री महेश जी भाभर, श्री पूनमचंद जी पाटीदार, श्री दुजार डांगी, श्री जगदीश कटारा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने 14 अगस्त की तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ जुटने का संकल्प लिया। बैठक का समापन कार्यकर्ताओं की सामूहिक सहभागिता एवं आगामी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सकारात्मक माहौल में हुआ।

डाक कावड़ यात्रा में बच्चों ने दिखाया उत्साह

मांडू . विश्व पर्यटन नगरी मांडू जो कि अपने ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात है ऐसे ही मांडू नगरी में मां नर्मदा का जल स्वप्न देकर प्रकट हुआ है हम बात कर रहे हैं रेवा कुंड की सुबह प्रात: 6:00 बजे झमाझम बारिश होने के बावजूद भी बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला बच्चों ने डाक कावड़ का आयोजन किया जिसमें कावड़ को विधि विधान से पूजा कर रानी रूपमती के समीप स्थित रेवा कुंड से डाक कावड़ की शुरुआत की गई जोकि नगर से होती हुई प्राचीन मनकेश्वर महादेव मंदिर पर बच्चों द्वारा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया इसी के साथ प्राचीन साथ कोटडी महादेव मंदिर जहां पर आज भी गर्म ठंडे की पानी की गुफा स्थित है भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया कांवड़ की निरंतर को रखते हुए नगर से होती हुई डाक कावड़ का समापन रविदास कुंड परउ भगवान भोले का जलाभिषेक कर समापन किया गया कावड़ में लगभग 30 से 40 बच्चों का उत्साह देखा गया कावड़ में सम्मिलित बच्चे वेदांत शर्मा अनुज यादव अर्पित यादव रुद्र यादव विराट राठौर कार्तिक वसुनिया गट्टू वेद शुभम चौहान शिवांश नहर काफी संख्या में बच्चों में उत्साह और मौज मस्ती के साथ कावड़ का शुभारंभ किया साथ ही समापन किया गया नगर वासियों ने बच्चों के इस उत्साह सराहना करते हुए प्रशंसा की।

मातृशक्ति की विशाल कावड़ यात्रा में झूमे लोग

लालबाग से धारेश्वर महादेव तक गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष, त्रिवेणी संगम के जल से किया अभिषेक

धार। सावन के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था और मातृशक्ति की एकजुटता का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला, जब धार शहर में मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा के संयोजक अनिल जैन बाबा एवं माता शक्ति संगठन की अध्यक्ष पप्पी मकवाना के नेतृत्व में यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था प्रकट की।

कावड़ यात्रा का शुभारंभ स्थानीय लालबाग से हुआ। पारंपरिक धार्मिक वातावरण के बीच मातृशक्ति कावड़ लेकर भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ीं। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण दिखाई दिया।

यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई धारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ कावड़ यात्रा का समापन हुआ। यहां मातृशक्ति द्वारा प्रयागराज त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से भगवान धारेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

जगह-जगह किया भव्य स्वागत

कावड़ यात्रा के मीडिया समन्वयक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मातृशक्ति की इस विशाल कावड़ यात्रा का शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यात्रा मार्ग पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर कावड़ यात्रियों का अभिनंदन किया तथा धार्मिक उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए जल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

विश्व आदिवासी दिवस पर धूमधाम से निकाली सांस्कृतिक रैली

सरदारपुर। चोटिया बालोद में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस उत्सव के रूप में मनाया गया। सर्व आदिवासी समाज ने सांस्कृतिक रैली का आयोजन कर आदिवासी एकता का परिचय दिया। प्रारंभिक वेशभूषा में सजे-धजे आदिवासी समाज शामिल हुए और उन्होंने समाज हित में एकजुट रहने का संकल्प लिया।

कई लोग समाज की पहचान तीर कमान लेकर चल रहे थे। रैली में डीजे की धुन पर युवा नाचते नजर आए। ग्राम पंचायत सरपंच दिनेश मेगा,उप सरपंच गोपाल, धन सिंह कटारा भेरूलाल खराड़ी कैलाश कटारा नारायण कटारा अमृतलाल मकवाना दिनेश मकवाना सुनील कटारा मुन्नालाल मीणा विशाल चरभोटा रवि कटरा, मोतीलाल मकवाना, परमानंद मकवाना मोतीलाल कटरा राम मीणा और आसपास के लोग हाजिर हुए। टंट्या मामा के जयकारों भी यात्रा में गूंजे।

बारिश के मौसम की खास सब्जी किकोड़ें, बाजार में बढ़ी मांग

डही। विकासखंड डही के ग्रामीण इलाकों में किकोडे की शुरुआत शुरू हो गई है। जबकि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष कम मात्रा में उपज पैदा हुई है। इस क्षेत्र से कीकोड़े गुजरात, महाराष्ट्रट्र मध्य प्रदेश भोपाल इंदौर कई जगह तक यहां से पिकअप गाड़ियां भर भर कर जाती है। इस वर्ष बारिश की कमी के कारण उपजी बहुत ही काम और एक माह लेट यह फसल आई वर्तमान में इसका भाव 150 से 120 में प्रति किलो बिक रहा है जबकि यही किकोडे गुजरात महाराष्ट्र में 250 से 300 रुपए किलो बिक रहा है जबकि क्षेत्र में इस सब्जी को कटले के नाम से पहचाना जाता है।

बरसात का मौसम शुरू होते ही ग्रामीण क्षेत्रों और स्थानीय बाजारों में कई तरह की पारंपरिक हरी सब्जियां नजर आने लगती हैं। इन्हीं में शामिल है किकोड़ें, जिसे कई क्षेत्रों में ककोरा, कंटोला या स्पाइन गॉर्ड के नाम से भी जाना जाता है। तस्वीर में दिखाई दे रहे छोटे-छोटे हरे किकोड़ें इन दिनों बाजार में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कांटेदार और गोल आकार का यह फल देखने में भले ही अलग दिखाई देता हो, लेकिन क्षेत्र के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में इसे पारंपरिक रूप से सब्जी के रूप में खूब पसंद किया जाता है। खासकर बारिश के मौसम में जंगल और खेत-खलिहानों के आसपास मिलने वाले किकोड़ें ग्रामीण बाजारों तक पहुंचते हैं। स्वाद में खास, सब्जी में लोकप्रिय किकोड़ें की सब्जी को मसालों के साथ बनाया जाता है। इसकी कुरकुरी बनावट और विशिष्ट स्वाद इसे दूसरी हरी सब्जियों से अलग बनाता है। कई लोग इसे आलू के साथ या मसालेदार तरीके से बनाना पसंद करते हैं जबकि यह सब्जी अत्यधिक पौष्टिक होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह बरसात के दिनों की पारंपरिक सब्जियों में गिनी जाती है।

कोटेश्वर से कुक्षी तक निकलेगी कावड़ यात्रा 16 को

16 अगस्त को होगा आयोजन

डही नवभारत न्यूज। कोटेश्वर से कुक्षी तक निकलेगी भव्य कावड़ यात्रा 16 अगस्त को होगा। इसके चलते क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र सिंह हनी बघेल डही विकासखंड के समस्त कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की विशाल बैठक आहुति की गई। इसमें सभी कार्यकर्ताओं को अपनी अपनी जिम्मेदारी सौंप गई। हनी बघेल ने बताया कि कावड़ यात्रा को ऐतिहासिक आयोजन होना है।

क्षेत्र की समस्त जनता अधिक से अधिक तादाद में पधार कर इस कावड़ यात्रा में सम्मिलित होने का आह्वान किया मां पुण्य सर्व सुख प्रदायिनी मां नर्मदा के प्रति आस्था और श्रद्धा को समर्पित मां नर्मदा कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर आज डही विधायक कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कावड़ यात्रा को सफल एवं भव्य बनाने को लेकर विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई।

कोटेश्वर से कुक्षी तक निकलने वाली मां नर्मदा कावड़ यात्रा का आयोजन 16 अगस्त, रविवार को किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ प्रात: 8 बजे से होगा। कावड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के शामिल होने की संभावना है। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने यात्रा में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने, श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने तथा यात्रा को व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप देने को लेकर विचार-विमर्श किया।

तहसील परिसर में गूंजेगा हनुमान भक्ति का जयघोष

बदनावर। तहसील परिसर में निर्माणाधीन संजीवनी हनुमान मंदिर में अब जल्द ही धार्मिक आस्था का नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं स्थापना को लेकर 16 से 20 अगस्त तक पंच दिवसीय पंचकुंडीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मंदिर का भूमि पूजन तहसीलदार सुरेश जी नागर द्वारा 9 अगस्त 2024 को किया गया था। आचार्य मयंक शर्मा के सानिध्य में आयोजित होने वाले महोत्सव में 16 यजमानों द्वारा हवन-पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। इस दौरान शिव परिवार, शीतला माता, शिव पंचायत एवं नमदेश्वर महादेव सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।

लायंस क्लब धार मेन ने लगाया रक्तदान शिविर, 37 लोगों ने किया रक्तदान

धार। मानव सेवा और सामाजिक सरोकार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए लायंस क्लब धार मेंन के द्वारा जेएमडी गार्डन धार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया शिविर में 37 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन को बचाने की मुहिम में अपना योगदान दिया

शिविर के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जयप्रकाश त्रिपाठी ऋष्टि डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर लायन ओम प्रकाश सोलंकी रहे

अतिथियों का स्वागत लायंस क्लब धार मेन की अध्यक्ष लायन अनीता खंडेलवाल सचिव लायन रुचि होडा कोषाध्यक्ष लायन संगीता पाटीदार एवं पूर्व झोन चेयरपर्सन लायन विजया रानी सोलंकी लायन सनी होडा ने किया रक्त संग्रह के लिए भोज हॉस्पिटल की चिकित्सा टीम उपस्थित रही टीम में डॉक्टर रेणुका नरगावो पैथोलॉजिकल श्री आई पी सोलंकी लैब टेक्नीशियन श्री मंजू गुजराती नर्सिंग ऑफिसर कुमारी लक्ष्मी मौर्य टेक्निकल सुपरवाइजर सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दी इस अवसर लायन कमलेश खंडेलवाल लायन रितिका खंडेलवाल लायन नेहा मकवाना लायन तपन त्रिपाठी लायन सुनीता अग्रवाल लायन मोहनलाल अग्रवाल लायन संदीप खठोड लायन कविता लश्करी एवं अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में लायन विजयारानी सोलंकी ने सभी अतिथियों रक्तदाताओं चिकित्सा टीम और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

नागेश्वर मित्र मंडल ने निकाली एक दिवसीय कावड़ यात्रा

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग

नागदा । नागेश्वर मित्र मंडल नागदा के तत्वावधान में कोटेश्वर महादेव से नागेश्वर मंदिर, नागदा तक एक दिवसीय कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कावड़ यात्रियों ने भगवान महादेव का जयघोष करते हुए कोटेश्वर महादेव मंदिर से जल भरकर यात्रा प्रारंभ की ।मार्ग में श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा के दौरान 'हर-हर महादेव' के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया।

आयोजको एवं श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। महादेव की कृपा से कावड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की कि भगवान महादेव सभी के कष्ट हरें और सबके जीवन में सुख-शांति प्रदान करें।

विश्व आदिवासी दिवस पर टंट्या मामा का स्मरण

सरदारपुर । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। विधायक प्रताप ग्रेवाल ने सरदारपुर एवं राजगढ़ मे महान जननायक एवं आदिवासी समाज के गौरव टंट्या मामा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

विधायक ग्रेवाल ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, जल-जंगल-जमीन और अधिकारों की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। टंट्या मामा जैसे महान क्रांतिकारियों का संघर्ष आज भी समाज को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की प्रेरणा देता है।इसके पश्चात विधायक ग्रेवाल राजोद एवं रिंगनोद में आयोजित आदिवासी दिवस की सामाजिक रैलियों में शामिल हुए। उन्होंने समाजजनों के साथ कदम से कदम मिलाकर रैली में सहभागिता की तथा आदिवासी संस्कृति की पहचान पारंपरिक नृत्य में समाजजनों के साथ शामिल होकर उत्साह और खुशी साझा की।

इस दौरान विधायक ग्रेवाल ने कहा कि आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और अधिकारों को याद करने तथा आने वाली पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का अवसर है। आदिवासी समाज की एकता और उसकी समृद्ध संस्कृति पूरे देश की अमूल्य धरोहर है।

एक नजर में

आदिवासी वेशभूषा में नजर आए समाजजन, ढोल-मांदल की थाप पर जमकर थिरके, टंट्या मामा चौराहे से शुरू होकर प्रमुख मार्गों से गुजरी रैली

डही में धूमधाम से मनाया विश्व आदिवासी दिवस, निकली भव्य सांस्कृतिक रैली

डही/धार। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को डही नगर में आदिवासी समाज द्वारा संस्कृति, परंपरा, सामाजिक एकता और गौरव का संदेश देते हुए भव्य सांस्कृतिक रैली निकाली गई। टंट्या मामा चौराहे से शुरू हुई रैली में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में सजे महिला-पुरुष, युवा और बच्चे ढोल-मांदल की थाप पर थिरकते नजर आए। पूरे नगर में आदिवासी संस्कृति और लोक परंपराओं की आकर्षक झलक दिखाई दी।

आयोजन को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। सुबह से ही टंट्या मामा चौराहे पर समाजजनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। पारंपरिक परिधान और आभूषणों से सजे समाजजनों ने रैली को आकर्षक सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया। रैली में युवाओं की विशेष भागीदारी रही।

शुभारंभ टंट्या मामा चौराहे से हुआ। इसके बाद रैली सदर बाजार, श्रीराम चौक, नया बस स्टैंड, सोनी मोहल्ला होते हुए पुराने बस स्टैंड पहुंची। यहां से रैली पुन: टंट्या मामा चौराहे पर पहुंची। जगह-जगह लोगों ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक प्रस्तुति और नृत्य का उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

डीजे से दूरी, पारंपरिक वाद्य यंत्रों को दिया महत्व

आयोजन की खास बात यह रही कि रैली में डीजे का उपयोग नहीं किया गया। आयोजकों द्वारा पहले ही डीजे पर पूर्णत: प्रतिबंध का निर्णय लिया गया था। इसके स्थान पर पारंपरिक ढोल-मांदल और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर रैली आगे बढ़ी। ढोल-मांदल की गूंज और पारंपरिक नृत्य ने पूरे वातावरण को आदिवासी संस्कृति के रंग में रंग दिया। समाजजनों ने पारंपरिक नृत्य करते हुए अपनी संस्कृति और लोक परंपराओं का प्रदर्शन किया। युवा वर्ग भी पूरे उत्साह के साथ रैली में शामिल हुआ। इस दौरान आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। आयोजकों का कहना था कि आयोजन का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और गौरव से जोड़ना भी है।

टंट्या मामा चौराहे पर हुई सभा-रैली के समापन के बाद टंट्या मामा चौराहे पर सभा का आयोजन किया गया। सभा में वक्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व, आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक एकता और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने समाज की युवा पीढ़ी से अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।